

8.4.76

GA 622/22

— कल (अमृत) की मोटे वनाले  
— हाथी की

— निजी अमृत है निजी-लगा  
— जमाना आता है

वादा 8/4/76 वादे 15 2990 रुप  
के लाइए

— लेखा म

(विनय कुमार)

जामिन (व्यापारी) उपभूते  
वादा